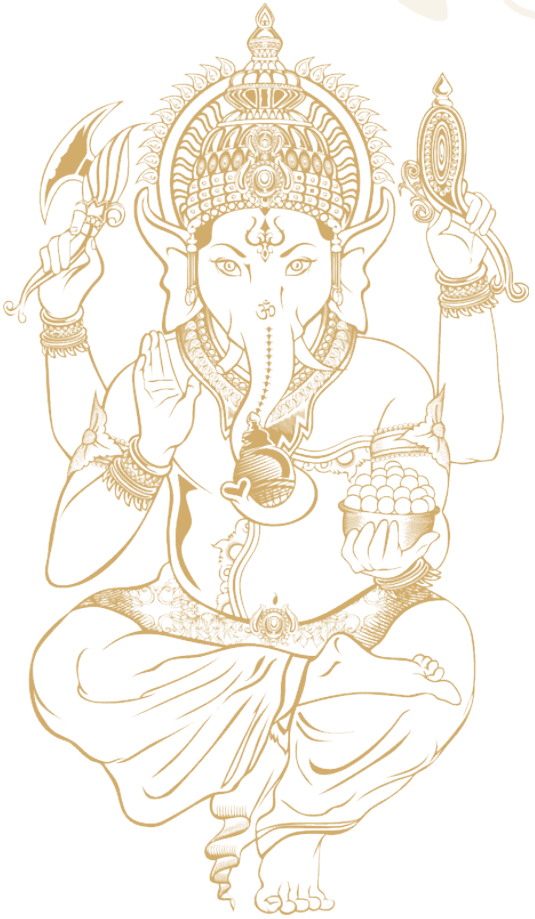

Vidhan Pratap Singh

10 Oct 1998

03:25 PM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 119065503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/10/1998**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**15:25:00 घंटे**
इष्ट	22:46:19 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:04:12 घंटे
वेलान्तर	00:12:54 घंटे
साम्पातिक काल	16:19:25 घंटे
सूर्योदय	06:18:28 घंटे
सूर्यास्त	17:56:59 घंटे
दिनमान	11:38:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	23:03:18 कन्या
लग्न के अंश	01:32:24 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वरियान
करण	गर
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	01:32:24	467:01:29	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
सूर्य			कन्या	23:03:18	00:59:17	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	सम राशि
चंद्र			वृष	26:51:01	14:13:00	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल			सिंह	07:55:51	00:36:36	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध		अ	तुला	03:27:41	01:35:55	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	26:13:13	00:06:16	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
शुक्र		अ	कन्या	17:57:10	01:14:59	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि	व		मेष	07:22:26	00:04:33	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	06:33:29	00:03:52	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	06:33:29	00:03:52	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	15:00:09	00:00:25	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:32:51	00:00:02	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:16:35	00:01:42	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			वृश्चि	12:51:49	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:14

लग्न-चलित

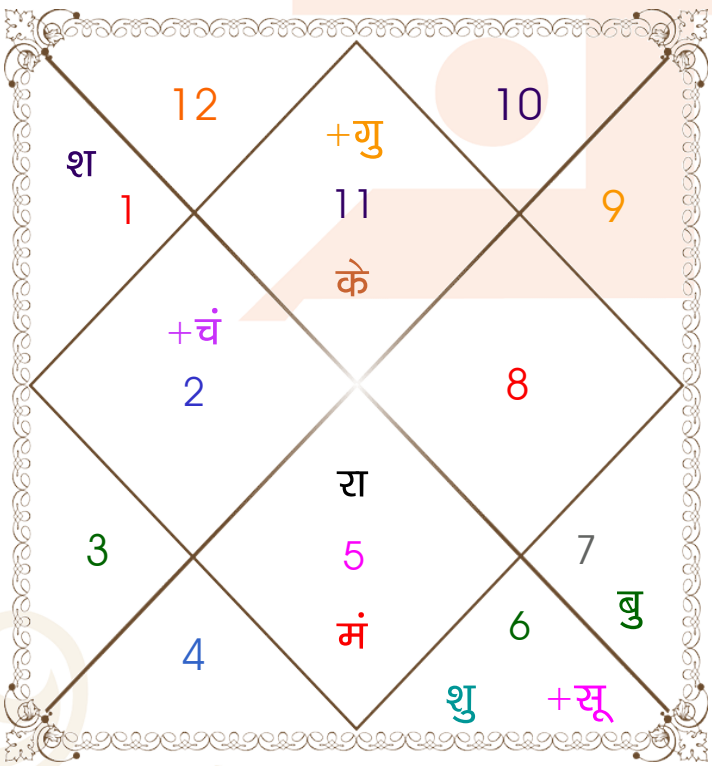

चन्द्र कुंडली

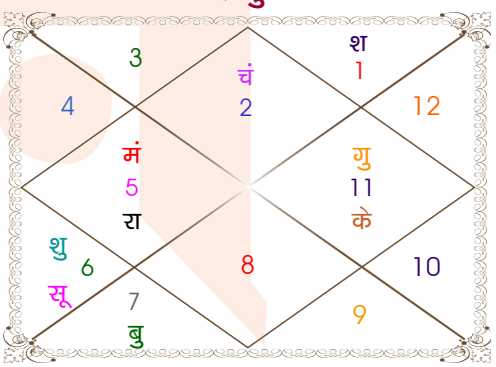

नवमांश कुंडली

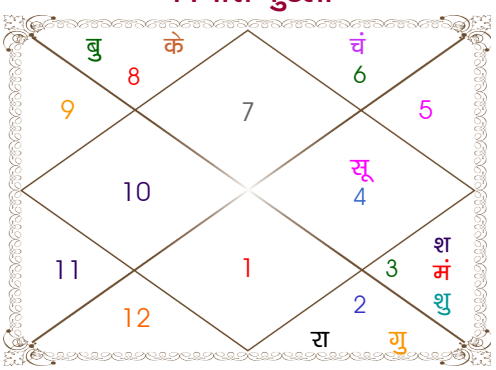

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 1 मास 25 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
10/10/1998		06/12/2003		05/12/2021		05/12/2037		05/12/2056	
06/12/2003		05/12/2021		05/12/2037		05/12/2056		05/12/2073	
	00/00/0000	राहु	18/08/2006	गुरु	23/01/2024	शनि	08/12/2040	बुध	03/05/2059
	10/10/1998	गुरु	10/01/2009	शनि	06/08/2026	बुध	18/08/2043	केतु	30/04/2060
गुरु	27/04/1999	शनि	17/11/2011	बुध	10/11/2028	केतु	26/09/2044	शुक्र	28/02/2063
शनि	05/06/2000	बुध	06/06/2014	केतु	17/10/2029	शुक्र	26/11/2047	सूर्य	05/01/2064
बुध	02/06/2001	केतु	24/06/2015	शुक्र	17/06/2032	सूर्य	07/11/2048	चंद्र	05/06/2065
केतु	29/10/2001	शुक्र	24/06/2018	सूर्य	06/04/2033	चंद्र	09/06/2050	मंगल	03/06/2066
शुक्र	30/12/2002	सूर्य	19/05/2019	चंद्र	06/08/2034	मंगल	18/07/2051	राहु	20/12/2068
सूर्य	06/05/2003	चंद्र	16/11/2020	मंगल	12/07/2035	राहु	24/05/2054	गुरु	28/03/2071
चंद्र	06/12/2003	मंगल	05/12/2021	राहु	05/12/2037	गुरु	05/12/2056	शनि	05/12/2073

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
05/12/2073		05/12/2080		06/12/2100		06/12/2106		06/12/2116	
05/12/2080		06/12/2100		06/12/2106		06/12/2116		00/00/0000	
केतु	03/05/2074	शुक्र	05/04/2084	सूर्य	25/03/2101	चंद्र	07/10/2107	मंगल	04/05/2117
शुक्र	03/07/2075	सूर्य	06/04/2085	चंद्र	24/09/2101	मंगल	07/05/2108	राहु	22/05/2118
सूर्य	08/11/2075	चंद्र	05/12/2086	मंगल	30/01/2102	राहु	06/11/2109	गुरु	11/10/2118
चंद्र	08/06/2076	मंगल	04/02/2088	राहु	25/12/2102	गुरु	08/03/2111		00/00/0000
मंगल	04/11/2076	राहु	04/02/2091	गुरु	13/10/2103	शनि	06/10/2112		00/00/0000
राहु	23/11/2077	गुरु	05/10/2093	शनि	24/09/2104	बुध	07/03/2114		00/00/0000
गुरु	30/10/2078	शनि	05/12/2096	बुध	31/07/2105	केतु	06/10/2114		00/00/0000
शनि	09/12/2079	बुध	06/10/2099	केतु	06/12/2105	शुक्र	06/06/2116		00/00/0000
बुध	05/12/2080	केतु	06/12/2100	शुक्र	06/12/2106	सूर्य	06/12/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 2 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर तुला राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित आकृति से ऐसा सूचित हो रहा है कि आप एक सैद्धांतिक व्यक्ति हैं। आपका लक्ष्य सर्वोतम जीवन की प्राप्ति है न कि किसी भी प्रकार से धन संचय करना। आप धन को मात्र आवश्यकता की पूर्ति का साध्य समझते हैं। आप धन को संसार का अस्तित्व समझते हैं। परंतु ऐसा संदेह है कि आप धन की खोज में व्यस्त नहीं रहते। धन तो आपके पास निश्चित रूप से आएगा।

संप्रति आप चाहे जैसे भी हो सम्पत्ति उपार्जन में संलग्न रहने के कोई अधिक महत्व नहीं देते हैं। आप अपने जीवन में संतोषप्रद समय व्यतीत करेंगे। आपकी स्पष्टवादिता एक नाटकीय संबंध स्थापित करेगा। तथापि आप अपने आरामदायक जीवन व्यतीत करने के लिए वास्तविक लाभांश प्राप्त करने हेतु समर्थ हैं। आप अपने एवं अपने पारिवारिक आवश्यक आवश्यकता हेतु उपयुक्त साधन प्राप्त कर लेंगे।

आप कठिन श्रम साध्य की साधना से भिन्न हैं तथा यह जानते हैं कि अपनी उन्नति हेतु अपने मालिक का किस प्रकार प्रसन्न एवं अनुकूल रखा जाएगा। आप धन्नादि से संपन्न एवं आपकी स्मरण शक्ति विशाल है तथा आप शुद्ध चित्त से किसी भी विषय पर विचार करते हैं। आप में ऐसी संगठनात्मक क्षमता विद्यमान हो सकती है कि किसी भी बड़े कार्य को दिन प्रतिदिन संचालन हेतु कैसा नेतृत्व चाहिए। तथापि आप ऊपर से आधुनिक मेधावी हैं। आप गंभीर रूप से मूल विचार को सुगमता पूर्वक कार्यान्वित करने के लिए पर्याप्त हैं।

इस संदर्भ में ऐसा ज्ञात होता है कि आप अभाग्यता से युक्त होकर भी भाग्यशाली हैं। अभाग्यता की भूमिका आपके स्वास्थ्य से युक्त है। इसमें संदेह नहीं है कि आपका जीवन उत्तम, सुखद एवं आनंददायक होगा। परंतु आपकी शक्ति सीमित रोगादि के कारण शक्ति क्षीण हो जाएगी। इस प्रकार निःसंदेह ऐसा लगता है कि आपको किसी भी रोग से निरोग होने में कुछ समय लग जाएगा। इसलिए आपको इस विंदु पर विचार करना चाहिए कि इस प्रकार के कार्य-कलाप को परित्याग कर देना चाहिए। जिसके प्रभाव से आप रोगग्रस्त हो जाएं तथा शीघ्रता पूर्वक आपको चिकित्सक का परामर्श लेना चाहिए।

कुंभ राशीय प्रभाव से ऐसा संदेह है कि आपको छूआ-छूत अथवा विषाणुयुक्त रोग हो सकता है। ऐसा हो सकता है कि गले का रोग, दांत या आंखों में दिक्कते आ सकती हैं। आपको अपने जीवन की 15 वें 23 वें एवं 29 वें वर्ष में इसके संबंध में ध्यान देकर स्वास्थ्य रक्षा हेतु सतर्क रहना चाहिए।

आप धार्मिक प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि सांसारिक सुखों से युक्त रहकर सुखद जीवन का विस्तार करेंगे। बल्कि आप अपने परिवार के साथ संयुक्त रह कर भी आप स्वतः धार्मिक कार्यों से संलग्न रहेंगे। परंतु वास्तव में आप मानवीय भावनाओं एवं समर्पित भाव से अपनी पत्नी एवं अपनी संतान से संबंधित रहेंगे।

आप अपनी प्रतिभा एवं प्रवृति के अनुसार संबंधित कार्य-व्यवसाय का चयन कर धन प्राप्ति करेंगे। अतएव आप कंपनी के कार्यकारी अधिकारी पद, वैज्ञानिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, प्रोफेसर एवं शैक्षणिक सलाहकार, विधि एवं धन संबंधी कार्य-कलाप आपके लिए लाभदायक होगा। आयात-निर्यात् कार्य-व्यवसाय भी सर्वथा आपके लिए अनुकूल हो सकता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

अंकों में आपके हित अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंकों का त्याग करना आपके लिए उत्तम है।

आप रंगों में नारंगी, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करें एवं आपके लिए सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग उत्तम एवं संतोषप्रदायक है।